पाठ – हार की जीत

पाठ का सारांश

इस पाठ में तीन मुख्य पात्र घोड़ा खड्गसिंह और बाबा भारती है। घोड़ा बहुत सुंदर और बलवान था। बाबा भारती मन्दिर में रहकर घोड़े के साथ अपना जीवन यापन करते थे। एक दिन खगसिंह डाकू ने घोड़े की प्रसिद्धि के बारे में सुना तो उसे देखने बाबा भारती के पास आ गया। वह घोड़े को सुन्दरता को देखकर आश्चर्यचकित रह गया। उसने सोचा ऐसा घोड़ा उसके पास होना चाहिए। उसने बाबा से कहा कि वह घोड़े को चुरा कर ले जाएगा। बाबा भारती इस बात से डर गए। कई दिनों तक पहरा भी दिया लेकिन डाकू खड्गसिंह न आया। अब बाबा भी निश्चिन्त हो गए। एक दिन बाबा भारती सुलतान नामक घोड़े की पीठ पर सवार होकर घूमने जा रहे थे तभी एक अपाहिज ने उन्हें रोका और रामावाला से तीन मील दूर दुर्गादत्त वैद्य के यहाँ ले जाने के लिए कहा। जय बाबा ने उसे घोड़े पर बैठाया तो उसने लगाम पकड़कर धीरे से खींच ली। वह अपाहिज नहीं था. डाकू था। तब बाबा ने कहा कि वह किसी को न बताए कि उसने यह घोड़ा गरीब अपाहिज बनकर लिया है। तब यह बात सुनकर डाकू को बुरा लगता है। वह रात को मन्दिर में ही घोड़े को बाँध जाता है। सुबह जब बाबा भारती उठते हैं तो अपने घोड़े को देखकर प्रसन्न हो जाते हैं।

शब्दार्थ

- **आनंद** – उल्लास, हर्ष, खुशी,
- **अर्पण** – सौंपना, भेंट करना
- **कीर्ति** – प्रसिद्धि
- **प्रसन्न** – खुश
- **संध्या** – शाम
- **अंकित** – चिन्हित
- **अभिलाषा** – इच्छा
- **आश्चर्य** – ताज्जुब, अचम्भा
- **अधीरता** – व्याकुलता, बेचैनी

पाठ से

मेरी समझ से

1. (क) नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (☆) बनाइए।

(1) सुलतान के छीने जाने का बाबा भारती पर क्या प्रभाव हुआ?

- बाबा भारती के मन से चोरी का डर समाप्त हो गया।
- बाबा भारती ने गरीबों की सहायता करना बंद कर दिया।
- बाबा भारती ने द्वार बंद करना छोड़ दिया।
- बाबा भारती असावधान हो गए।

उत्तर – बाबा भारती ने द्वार बंद करना छोड़ दिया। **(☆)**

egyanarchive

(2) "बाबा भारती भी मनुष्य ही थे।" इस कथन के समर्थन में लेखक ने कौन सा तर्क दिया है?

- बाबा भारती ने डाकू को घमण्ड से घोड़ा दिखाया।
- बाबा भारती घोड़े की प्रशंसा दूसरों से सुनने के लिए व्याकुल थे।
- बाबा भारती को घोड़े से अत्यधिक लगाव और मोह था।
- बाबा भारती हर पल घोड़े को रखवाली करते रहते थे।

उत्तर – बाबा भारती घोड़े की प्रशंसा दूसरों से सुनने के लिए व्याकुल थे। (☆)

(ख) अब अपने मित्रों के साथ चर्चा कीजिए कि आपने ये उत्तर ही क्यों चुने ?

उत्तर – हमने यह उत्तर इसलिए चुने क्योंकि इनका वर्णन पाठ के अन्तर्गत किया गया है।

शीर्षक

(क) आपने अभी जो कहानी पढ़ी है, इसका नाम सुदर्शन ने 'हार की जीत' रखा है। इस कहानी को यह नाम क्यों दिया होगा? अपने उत्तर का कारण भी लिखिए।

उत्तर – इसका नाम सुदर्शन ने 'हार की जीत' इसलिए रखा क्योंकि बाबा भारती हार कर भी डाकू से जीत जाते हैं क्योंकि डाकू उनके घोड़े को वापस कर जाता है।

(ख) यदि आपको इस कहानी को कोई अन्य नाम देना हो तो क्या नाम देंगे? आपने यह नाम क्यों सोचा ? यह भी बताइए।

उत्तर – हम इस काहानी को 'महान बाबा भारती' नाम देंगे। बाबा भारती ने अपनी महानता से डाकू खड्गसिंह का हृदय परिवर्तन कर दिया. उसे अपनी गलती का एहसास हो गया।

(ग) बाबा भारती ने डाकू खड्गसिंह से कौन-सा वचन लिया?

उत्तर – बाबा भारती ने डाकू खड्गसिंह से वचन लिया कि वह इस घटना के बारे में किसी को न बताए। इस घटना का लोगों को पता चला तो वे किसी गरीब पर विश्वास नहीं करेंगे।

पंक्तियों पर चर्चा

कहानी में से चुनकर कुछ वाक्य नीचे दिए गए हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए। आपको इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार लिखिए-

1. "भगवत-भजन से जो समय बचता वह घोड़े की अर्पण हो जाता।"

उत्तर – बाबा घोड़े से अधिक प्रेम करते थे जिससे वह अपना पूरा समय घोड़े पर अर्पण कर देते थे जब भी उनके पास समय बचता था।

2. "बाबा ने घोड़ा दिखाया घमण्ड से, खड्गसिंह ने घोड़ा देखा आश्चर्य से।"

उत्तर – बाबा का घोड़ा सुन्दर था इसलिए उन्होंने घमण्ड से घोड़ा दिखाया था। खड्गसिंह घोड़ा देखता ही रह गया क्योंकि वह अत्यन्त सुन्दर था।

3. "वह डाकू था और जो वस्तु उसे पसंद आ जाए उस पर अपना अधिकार समझता था।"

उत्तर – खड्गसिंह डाकू था इसलिए जो वस्तु उसे पसन्द आती उसे वह चुरा लेता था।

4. "बाबा भारती ने निकट जाकर उसकी और ऐसी आँखों से देखा जैसे बकरा कसाई की ओर देखता है और कहा. यह पीड़ा तुम्हारा हो चुका है।"

उत्तर – बाबा ने अपनी प्रिय वस्तु (घोड़ा) कसाई रूपी खड्गसिंह के हाथों में सौंप दी थी।

5. "उनके पाँव अस्तबल की ओर मुड़े। परन्तु फाटक पर पहुँचकर उनको अपनी भूल प्रतीत हुई।"

उत्तर – बाबा प्रतिदिन घोड़े को देखने के लिए अस्तबल में जाते थे लेकिन आज उनका घोड़ा डाकू के पास था। वे भूल गए थे तब अस्तबल तक पहुँच गए। जब उन्हें याद आया कि वह घोड़ा तो यहाँ नहीं है, तब उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ।

सोच-विचार के लिए

"दोनों के आँसुओं का उस भूमि की मिट्टी पर परस्पर मेल हो गया।" कहानी को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) किस-किस के आँसुओं का मेल हो गया था?

उत्तर – बाबा भारती और खड्गसिंह के

(ख) दोनों के आँसुओं में क्या अंतर था ?

उत्तर – खड्गसिंह के आँसू पछतावे के थे और बाबा भारती के आँसू खुशी के थे।

दिनचर्या

(क) कहानी के आधार पर बाबा भारती की दिनचर्या लिखिए। वे सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक क्या-क्या करते होंगे, लिखिए। इस काम में आप थोड़ा-बहुत अपनी कल्पना का सहारा भी ले सकते हैं।

उत्तर – बाबा भारती सुबह जल्दी उठकर स्नान करते हैं फिर अस्तबल में पहुँचकर अपने घोड़े को देखते हैं। उसके भोजन की व्यवस्था करते हैं। दिन में भजन में लीन हो जाते हैं। शाम को फिर अपने घोड़े के साथ समय व्यतीत करते हैं।

(ख) अब आप अपनी दिनचर्या भी लिखिए।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

मैं सुबह उठकर स्नान करता हूँ। फिर स्कूल के लिए तैयार हो जाता हूँ। उसके बाद पूरा दिन स्कूल में पढ़ाई करता हूँ। दिन में घर जाकर आराम करता हूँ। शाम को खेलने के लिए पार्क में चला जाता हूँ। रात में भी थोड़ा-सा पढ़ाने के बाद मुझे सुला देती है।

कहानी की रचना

(क) इस कहानी की कौन-कौन सी बातें आपको पसंद आई? आपस में चर्चा कीजिए।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

बाबा भारती के भाव अच्छे लगे क्योंकि बाबा अपनी प्रिय वस्तु भी डाकू को ले जाने देते हैं।

(ख) इस कहानी में आए संवादों के विषय में अपने विचार लिखें।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

मुझे कुछ संवाद अच्छे लगे हैं-

"विचित्र जानवर है। देखोगे तो प्रसन्न हो जाओगे।"

"उसकी चाल तुम्हारा मन मोह लेगी।"

मुहावरे कहानी से

(क) कहानी से चुनकर कुछ मुहावरे नीचे दिए गए हैं, इन्हें खोजकर इनका प्रयोग समझिए।

उत्तर –

- **लट्टू होना** – किसी पर अधिक प्रेम आना
- **हृदय** – पर साँप लोटना ईर्ष्या करना
- **अत्यधिक प्रसन्न** – होना फूले न समाना
- **मुँह मोड़ लेना** – तिरस्कार करना
- **मुख खिल जाना** – आनंदित होना
- **न्यौछावर कर देना** – अर्पण करना

(ख) अब इनका प्रयोग करते हुए अपने मन से नए वाक्य बनाइए।

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

- खड्गसिंह घोड़े पर लट्टू हो गया।
- बाबा भारती के पास घोड़े को देखकर हृदय पर सौंप लोट गया।
- घोड़े की अस्तबल में देखकर बाबा फूले न समाए।
- बाबा भारती ने अपना मुँह मोड़ लिया।
- घोड़ा वापस पाकर बाबा का मुख खिल गया।
- बाबा ने डाकू को अपना घोड़ा न्योछावर कर दिया।

कैसे-कैसे पात्र

इस कहानी में तीन मुख्य पात्र हैं- बाबा भारती, डाकू खड्गसिंह और सुलतान घोड़ा। इनके गुणों को बताने वाले शब्दों से दिए गए शब्द चित्रों को पूरा कीजिए-

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

1. **बाबा भारती के गुण –** दयालु, भक्त, ज्ञानी, गरीबों का भला सोचने वाले, ईमानदार, महान व्यक्ति।

2. **डाकू खड्गसिंह के गुण –** चोर, अहंकारी, स्वार्थी, कपटी, बाहुबली डाकू
3. **सुलतान घोड़ा के गुण –** सुंदर, तेज, बलवान, आज्ञाकारी, विनम्र, परिचित, व्यक्ति की पहचान करने वाला।

पाठ से आगे

सुलतान की कहानी

मान लीजिए, यह कहानी सुलतान सुना रहा है। तब कहानी कैसे आगे बढ़ती ? स्वयं को सुलतान के स्थान पर रखकर कहानी बनाइए।

(संकेत-आप कहानी को इस प्रकार बढ़ा सकते हैं- मेरा नाम सुलतान है। मैं एक घोड़ा हूँ)

उत्तर – (संकेतों के आधार पर छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

मेरा नाम सुलतान है। मैं एक घोड़ा है। आज मुझे खड्गसिंह डाकू देखने आया। वह मेरी सुंदरता को देखकर आश्चर्यचकित रह गया। उसने बाबा भारती से मुझे छीनने का प्रयास किया जिसकी वजह से बाबा भारती भयभीत हो गए। कई दिनों तक मेरी सुरक्षा की। जब उनको लगा कि डाकू मुझे लेने नहीं आएगा तब यह निश्चिन्त हो गए। बाबा भारती मुझे लेकर जा रहे थे तभी वृक्ष के नीचे एक गरीब अपाहिज व्यक्ति दिखाई दिया। बाबा ने उसकी मदद करने की सोच कर उसे मेरे ऊपर बैठा दिया। वह मुझे ले जाने लगा तब बाबा ने उससे कहा कि यह बात वह किसी को न बताए। तब डाकू को अपनी गलती का एहसास हुआ और मुझे वापस बाबा के पास छोड़ गया।

मन के भाव

(क) कहानी में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। बताइए, कहानी में कौन, कब, ऐसा अनुभव कर रहा था-

उत्तर –

1. खड्गसिंह घोड़े को देखकर **चकित** था।
2. जब डाकू ने घोड़े की तारीफ की थी तब बाबा भारती अपने घोड़े की तारीफ सुनकर **प्रसन्न** थे।
3. खड्गसिंह घोड़े की चाल को देखने के लिए **अधीर** था।
4. अपाहिज व्यक्ति ने **करुणा** से बात की।
5. बाबा के मन में **डर** था कि कहीं डाकू घोड़े को चुरा न से जाए।
6. जब घोड़े को डाकू ने चोरी कर लिया तब बाबा के मन में **निराशा** थी।

(ख) आप उपर्युक्त भावों को कब-कब अनुभव करते हैं? लिखिए।

(संकेत- जैसे गली में किसी कुत्ते को देखकर डर या प्रसन्नता या करुणा आदि का अनुभव करना)

उत्तर – (संकेतों के आधार पर छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

- भाई को अचानक घर में देखकर मैं **चकित** हो जाता हूँ।
- जब मेरे मन की बात पूरी होती है तो मेरी **प्रसन्नता** का ठिकाना ही नहीं रहता।
- मेरा सामान न मिलने पर मैं **अधीर** हो जाता हूँ।
- गरीब व्यक्ति को देखकर मेरे भीतर **करुणा** का भाव उत्पन्न हो जाता है।
- मैं शेर से **डरता** हूँ।
- अपनी असफलता के कारण **निराश** हो जाता हूँ।

झरोखे से

लेखक सुदर्शन द्वारा लिखी इस कविता में क्या अच्छा लगा?

उत्तर – (छात्रों को स्वयं करने को कहें।)

मुझे इस कविता में हवा के द्वारा हवा को छूने पर उनकी ख़ुशी पर झूमती हुई बात अच्छी लगी।